हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 20 मई 2024

11 आमजन को लू से नहीं मिली राहत तापमान फिर 46 डिग्री किया दर्ज

11 श्रीराम की तरह मर्यादा में रहकर करें जीवन-यापन

सड़क हादसे में व्यापारी की मौत पुलिस ने रोका शवयात्रा का मार्ग

लोगों ने पुलिस से शव वाहन को आगे जाने के लिए प्रार्थना की, लेकिन पुलिस का दिल नहीं पसीजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के एक व्यापारी की बानसूर से आते समय मंढाणा के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। जब मृतक की शवयात्रा पुलिस लाइन के पास से गुजर रही थी, तब पुलिस का असंवेदनशील एवं अमानवीय चेहरा भी उजागर हुआ।

जानकारी मुताबिक दशमेश नगर निवासी करीब 45 वर्षीय जयंत बंसल प्रत्येक शुक्रवार को बानसूर अपने व्यापारिक कार्य से जाता था। वह इस शुक्रवार को भी बानसूर में व्यापारिक कार्य के लिए गया था। जब वह बानसूर से वापस आ रहा था तो नारनौल के मंढाणा के पास बाइक अनियंत्रित हो गई और गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें गंभीरावस्था में अस्पताल में दाखिल करवाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। दूसरी ओर जब लोग जयंत बंसल की शवयात्रा लेकर घर से रेवाड़ी रोड स्थित मोड़ावाला स्वर्ग आश्रम ले जा रहे थे, तब शहर पुलिस का असंवेदनशील एवं अमानवीय चेहरा भी उजागर हो गया। हुआ यूं कि जब शवयात्रा गुजर रही थी, तब पुलिस लाइन के पास वाहनों को चेक कर उनका चालान कर रही थी। पुलिस ने तब इस यात्रा के शव वाहन को भी रोक लिया और चालक से आवश्यक दस्तावेज मांग लिए। यह देख शवयात्रा में गमगमी लोग अचानक सकपका गए। उनमें से कईयों ने पुलिस से हाथ जोड़कर घटना बताई और शव वाहन को आगे जाने के लिए प्रार्थना की, लेकिन कमाल की बात रही कि तब चालान कर रहे पुलिस कर्मी ने शव वाहन को बगैर कागजात चेक किए शव वाहन को आगे जाने से रोके रखा। करीब 15 मिनट तक यह स्थिति बनी रही, तब शवयात्रा में भाग ले रहे कुछ और लोग आगे आए तथा पुलिस से पुनः करबद्ध प्रार्थना की, तब जाकर पुलिस वालों का दिल कुछ पसीजा और शवयात्रा को आगे जाने दिया। इस घटना की पूरे शहर में आलोचना की जा रही है और पुलिस की काफी किरकिरी हो रही है। उनकी मांग है कि ऐसी स्थिति पैदा करने वाले पुलिस वालों पर एसपी साहब को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। लोगों को कहना है इस गमजदा मामले में पुलिस का असंवेदनशील एवं अमानवीय चेहरा भी उजागर हुआ।

टाटा-407 का टायर फटने से दो दर्जन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दिल्ली-जैसलमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव भांखरी नहर के समीप एक टाटा-407 अचानक टायर फटने से पलट गई, जिससे टाटा-407 में सवार दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। यह सभी लोग घटनास्थल से महज दो किलोमीटर दूर गांव गोद के रहने वाले थे। रोड एक्सीडेंट की सूचना पाकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। भारी संख्या में ग्रामीण अपनी गाड़ियां व ट्रैक्टर-ट्राली लेकर मौके पर पहुंचे तथा सभी घायलों को तत्परता से जिला नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। जहां से पांच को गंभीरावस्था के चलते रेफर कर दिया, जबकि अन्य को उपचार के लिए भर्ती कर लिया। जानकारी मुताबिक गांव भूषण कलां में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई थी और गांव गोद से 25-30 महिला-पुरुष टाटा-407 भरकर भूषण में सांत्वना व्यक्त करने गए थे। जब यह लोग करीब साढ़े दस-11 बजे वापस आ रहे थे, तब गांव गोद से करीब दो किलोमीटर पहले भांखरी की नहर के समीप अचानक टाटा-407 का टायर फट गया और वह पलट गई।

खास बातें

- गांव गोद से करीब दो किलोमीटर पहले हुए हादसे की सूचना पाकर ग्रामीणों में मची अफरा-तफरी

इन घायलों का चल रहा उपचार

इन घायलों में से कमलेश एवं नरेश को गंभीरावस्था के चलते हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, जिस पर परिजन उन्हें उपचार के लिए जयपुर लेकर गए हैं। सुरेश, नरेश एवं नीतू की हालत भी गंभीर बताई जा रही है, जबकि अस्पताल में उपचाराधीन घायलों में लालचंद, नरबीर, बिरमा, कमला, बबीता, रमेश, अन्नु, धनपति, ममता, रिंकू, पप्पू, ओमप्रकाश व हनुमान समेत करीब दो दर्जन घायल नारनौल में ही नागरिक अस्पताल एवं निजी अस्पतालों में उपचार ले रहे हैं।

खबर संक्षेप

पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ किया केस दर्ज

महेंद्रगढ़। गांव अनावास के पास हुए सड़क हादसे में पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घायल बुजुग महेंद्र सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव बुचावास निवासी है। मटके बनाने व बेचने का काम करता है। बीती 22 अप्रैल को वह खच्चर (घोड़ी) गाड़ी लेकर सुबह करीब चार बजे के आसपास अपने घर से महेंद्रगढ़ मटके लेने के लिए चला था।

घर से व्यक्ति हुआ अचानक लापता, केस दर्ज

महेंद्रगढ़। गांव पाली निवासी एक व्यक्ति घर से अचानक लापता हो गया है। लापता युवक के भाई ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर उसकी तलाश करने की मांग की हैं। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

रामपाल ने सदर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव पाली का रहने वाला है तथा मजदूरी का कार्य करता है। उसका भाई अजीत 12 मई को समय करीब 9:30 अपने घर से बिना बताए कहीं चला गया।

पढ़ने गई 19 वर्षीय छात्रा लापता, मामला दर्ज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र से एक छात्रा लापता हो गई। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार अटेली क्षेत्र के गांव की एक महिला ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय लड़की शनिवार को दोपहर 12 बजे घर से राजकीय महाविद्यालय अटेली में पढ़ने के लिए गई थी, लेकिन घर वापस नहीं लौटी।

बड़गांव से गेहूं चोरी पीड़ित ने की शिकायत

नारनौल। बड़गांव से रात को गेहूं चोरी हो गए। पीड़ित सुरता राम ने बताया कि 17 मई की रात्रि को वह अपने परिवार समेत घर में सो गया था, लेकिन रात्रि को अज्ञात व्यक्ति 8-10 गेहूं के चोरी करके ले गया। उन्होंने बताया कि सुबह देखा तो दीवार के सााि गेहूं बिखरे हुए मिले। उन्होंने पुलिस ने चोरी के गेहूं बरामद करवाने की मांग की है।

किसानों की परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने दिया एक और मौका

एक दिन के लिए खोली गई सरसों की खरीद, 1490 किसानों ने उठाया लाभ

महेंद्रगढ़ जिले की छह मंडियों में 18 मई को सरकार ने शुरू की थी एक दिवसीय सरसों की सरकारी खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। अनाज मंडी में बिक्री के लिए किसानों द्वारा लाई गई सरसों।

राज्य सरकार की ओर से सरसों की दोबारा से खोली गई एक दिवसीय खरीद में जिले के 1490 किसानों ने इस खरीद का फायदा उठाया है। इस खरीद को सरकार ने एक दिन के लिए दोबारा से उन किसानों के लिए खोला था, जो गेटपास तो कटवा चुके थे, लेकिन ऑक्शन में शामिल नहीं होने के कारण सरकार को अपनी सरसों नहीं बेच पाए थे। इन वंचित किसानों के साथ-साथ अन्य मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों को भी अपनी सरसों बेचने का मौका दिया गया था। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरसों की सरकारी समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 26 मार्च से एक मई तक खरीद की थी। जिले में इसके लिए सभी छह मंडियों को अधिकृत किया गया था, लेकिन एक मई को जब सरसों खरीद बंद की गई तो प्रदेश के 839 तथा जिले के 78 ऐसे किसान शेष रह गए थे, जिन्होंने गेटपास तो कटवा लिए थे, लेकिन वह ऑक्शन में शामिल नहीं होने के कारण अपनी सरसों सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद एजेंसी को नहीं बेच पाए थे। ऐसे किसानों को मौका देने के लिए सरकार ने एक दिवसीय खरीद के लिए पुनः मंडियां खोली थी। बता दें कि स्टेट वेयर हाउस कारपोरेशन को जिले की कनीना, महेंद्रगढ़, सतनाली एवं नारनौल मंडियां अलॉट थी, वहीं हैफेड को नांगल चौधरी एवं अटेली मंडी अलॉट थी। जबकि 10 अप्रैल से पहले की गई खरीद में जिले की सभी मंडियां हैफेड को अलॉट थी। 10 अप्रैल तक हैफेड ने केंद्रीय एजेंसी नैफेड के लिए सरसों खरीदी थी। 10 अप्रैल के बाद सरसों की खरीद राज्य सरकार के लिए शुरू की गई थी। 18 मई को हुई इस एक दिवसीय खरीद में स्टेट वेयर हाउस के आंकड़ों के अनुसार कनीना में 298.2 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हुई तथा इसमें कनीना के करीब आठ गांवों के 198 किसानों ने फायदा उठाया। इसी प्रकार सतनाली में 36.9 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हुई, जिसमें सात गांवों के 18 किसानों ने भाग लिया। इसी प्रकार नारनौल मंडी में 464.66 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हुई, जिसमें दो दर्जन गांवों के 294 किसानों ने फायदा उठाया। इसी प्रकार हैफेड को अलॉट मंडियों में से अटेली में 575 मीट्रिक टन सरसों की खरीद 18 मई को की गई, जबकि नांगल चौधरी में 732 मीट्रिक टन तथा महेंद्रगढ़ में 374 मीट्रिक टन सरसों की खरीद गई है।

अब तक हुई खरीद

जिले की मंडियों में अब तक हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कारपोरेशन ने 68260.42 मीट्रिक टन तथा हैफेड ने 36441.44 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की है। जिले की नारनौल, महेंद्रगढ़ एवं अटेली हैफेड को अलॉट हैं, लेकिन नारनौल व महेंद्रगढ़ की मंडियों में सरकारी समर्थन मूल्य 2275 की दर से सरकार के पास बिक्री के लिए एक दाना गेहूं भी नहीं पहुंचा, वहीं अटेली हैफेड की एकमात्र ऐसी मंडी है, जहां अब तक 619.5 मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद हो चुकी है। वहीं हरियाणा हाउसिंग कारपोरेशन को अलॉट मंडियों कनीना व सतनाली में अब तक 12366 मीट्रिक गेहूं की खरीद हो चुकी है। नांगल चौधरी मंडी में भी गेहूं की सरकारी खरीद शून्य पर बरकरार है। हरियाणा स्टेट वेयर हाउसिंग कारपोरेशन की प्रबंधक रुबी हुड्डा ने बताया कि नारनौल मंडी में एक दिन में 464.66 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। वहीं हैफेड के डीएम प्रवीण भारद्वाज ने बताया कि हैफेड ने जिलेभर की मंडियों से 36441.44 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है।

दीपांशु एनडीए के बाद एसएसबी क्लियर कर बना लेफ्टिनेंट

- आरपीएस विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर कृत संकल्पित : डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

दीपांशु शर्मा।

आरपीएस विद्यालय के छात्र दीपांशु ने यूपीएससी में 196 रैंक प्राप्त करने के बाद अब एनडीए की एसएसबी में भी सफलता प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। छात्र दीपांशु शर्मा ने एनडीए के बाद प्रयागराज में हुई एसएसबी परीक्षा को क्लियर कर लेफ्टिनेंट बनने का गौरव हासिल किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव तथा प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय के छात्र दीपांशु की इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को लेकर कृत संकल्पित है। बच्चों को समय पर उचित मंच व मार्गदर्शन मिलना अति आवश्यक है। आरपीएस विद्यालय अभिभावकों के विश्वास के अनुरूप बच्चों को उचित मंच प्रदान कर उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयासरत है, जिसका नतीजा है कि आज विद्यालय के बच्चे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं हैं।

विद्यार्थी सफल होने के लिए लक्ष्य करें निर्धारित

उन्होंने कहा विद्यार्थियों को कहा कि हर बच्चा प्रतिभाशाली है इसलिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए शिक्षकों के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत करें। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बताया कि छात्र दीपांशु शर्मा विद्यालय में पढ़ाई में शुरू से ही होशियार था। छात्र ने अपने पहले ही प्रयास में एनडीए की परीक्षा क्लियर करने के बाद प्रयागराज में पांच दिन तक चली एसएसबी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर लेफ्टिनेंट बनने का गौरव हासिल किया है। प्राचार्य ने विद्यालय के सभी छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। विंग हैड देवेन्द्र पूनिया ने बताया कि छात्र दीपांशु शर्मा ने विद्यालय से 12वीं कक्षा की रेगुलर पढ़ाई की है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष उनके विद्यालय से आईआईटी, नीट, क्लेट, सीए व एनडीए में पढ़ते-पढ़ते सैंकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों का चयन होता है जो एक बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर विद्यालय के उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़ आदि रहे।

फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने की वाहनों की जांच

कनीना। चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार फ्लाइंग स्क्वाड की टीम रोड पर लगातार वाहनों की जांच कर रही हैं। टीम की ओर से उसकी वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। अटेली विधानसभा फ्लाइंग स्क्वाड के इंचार्ज प्राचार्य ओमपाल सिंह ने बताया कि टीम की ओर से चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार वाहनों की जांच की जा रही है और उनके वीडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। इस मौके पर विनोद कुमार व सचिन वीडियोग्राफर भी मौजूद थे।

भीषण गर्मी में आओ बने पक्षियों का सहारा

- भीषण गर्मी में पक्षियों के बचाव को लेकर पानी के लिए बांटे सकोरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बच्चों को सकोरे बांटते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति द्वारा भीषण गर्मी में आओ बने पक्षियों का सहारा मिशन के तहत रविवार के शहर के मौहल्ला महायचान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने उपस्थित बच्चों व लोगों को मिट्टी के सकोरे बांटते हुए पक्षियों के लिए अपने घरों व आसपास दाना-पानी की व्यवस्था करने का आह्वान किया। समिति अध्यक्षा डॉ. राव ने कहा कि गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है, मनुष्य को प्यास लगती है तो वह कहीं भी मांग कर पी लेता है, लेकिन मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते हैं तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े हो जाते हैं। कुछ लोग पानी पिला देते हैं तो कुछ लोग भगा भी देते हैं। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस पास उड़ने वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उनकी जिंदगी बचा सकता है। सुबह आंखें खुलने के साथ ही घरों के आस-पास गौरेया, मैना व अन्य पक्षियों की चहक सभी के मन को मोह लेती है। गर्मियों में घरों के आसपास इनकी चहचहाहट बनी रहे, इसके लिए जरूरी है जिले में गर्मी बढ़ने लगी है। यहां का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार जा रहा है। आने वाले सप्ताह और जेठ में और अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। गर्मी में मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यकता होती है। मनुष्य तो पानी का संग्रहण कर रख लेता है, लेकिन परिंदे व पशुओं को तपती गर्मी में यहां-वहां पानी के लिए भटकना पड़ता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं। उन्हे पानी की आवश्यकता होती है।

लू के प्रकोप से बचने के लिए विशेष ध्यान रखें

कनीना। क्षेत्र में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी से बचने के लिए हमें विशेष ध्यान रखना होगा। इस बारे में उपनागरिक अस्पताल के कार्यकारी चिकित्सा अधिकारी डा. जितेंद्र मोरवाल ने बताया कि क्षेत्र में तापमान लगातार बढ़ रहा है और लू चलने लगी है।

जिससे बचाने के लिए हमें उपाय करने चाहिए। उन्होंने बताया कि घर से बाहर निकलते समय गमछा, टोपी, चश्मा या छाते का प्रयोग करना चाहिए। हल्के सूती कपड़े पहनने चाहिए, व्रत करने से बचना चाहिए, ओआरएस घोल का सेवन करना चाहिए। किसी तरह की कमजोरी सिर दर्द, उल्टी-दस्त, चक्कर आने पर तुरंत चिकित्सक को दिखाए। राजकीय अस्पतालों में इसके लिए उचित प्रबंध किए गए हैं।

जिला महेंद्रगढ़ में 14 टीमों ने दो दिन में संपन्न करवाया काम

बुजुर्गों व दिव्यांगों को घर से वोट डलवाने का काम पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। घर से वोट डालते बुजुर्ग।

भारतीय निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता के मार्गदर्शन में रविवार को दूसरे दिन 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं तथा 40 फीसदी से अधिक दिव्यांगों के घर पर जाकर वोट डलवाने का काम पूरा हो गया। अटेली के बीडीपीओ एवं अब्सेंटी वोटर के डेडीकेटेड एआरओ नवदीप सिंह ने बताया कि इस बार लोकसभा आम चुनाव में जिला में 367 नागरिकों ने घर से वोट डालने के लिए 12-डी फार्म भरा था। उन्होंने बताया कि रविवार को दूसरे दिन पोलिंग टीमों ने उनके घर जाकर बैलेट पेपर के जरिए वोट डलवाने का काम पूरा कर लिया है। उन्होंने बताया कि जिले में 85 वर्ष से अधिक आयु के 10153 नागरिक हैं। इनमें से 260 ने अपने बीएलओ के माध्यम से 12-डी फार्म में आवेदन किया था। इसी प्रकार जिले के 6421 दिव्यांगजनों में से 107 दिव्यांगों ने इस ऑप्शन को चुना था। ऐसे में अधिकतर लोग 25 मई को मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोकतंत्र के इस पर्व पर वे ईवीएम का बटन दबाकर वोट डालना चाहते हैं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने इस बार 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं व 40 फीसदी से अधिक दिव्यांगों को घर से मतदान करने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में 14 टीमें इस कार्य के लिए लगाई गई हैं। इस टीम में रिजर्व में रखे गए पीठासीन अधिकारी तथा सहायक पीठासीन अधिकारियों को रखा गया है। इनके साथ एक माइक्रो ऑब्जर्वर भी होता है तथा साथ ही पुलिस टीम भी रहती है। टीम में अपने साथ मतपेटी तथा वोटिंग कंपार्टमेंट लेकर जा रही है, ताकि मतदान की गोपनीयता बरकरार रहे। चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार ही मतदाता की वोट की गोपनीयता को पूरी तरह से बरकरार रखा जा रहा है।

बीकानेर इंटरसिटी व सैनिक एक्सप्रेस का ठहराव नहीं होने से यात्री परेशान

सतनाली मंडी। सतनाली रेलवे स्टेशन पर दिल्ली-बीकानेर इंटरसिटी एवं दिल्ली-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव नहीं होने से यात्री परेशान हैं। स्टेशन पर दिल्ली-सीकर एक्सप्रेस का भी ठहराव नहीं है। सतनाली स्टेशन पर उल्लेखनीय यात्रीभार के बावजूद इन गाड़ियों का ठहराव नहीं किया जा रहा है। इन गाड़ियों के ठहराव के लिए क्षेत्रवासी लंबे समय से मांग कर रहे हैं और रेल अधिकारियों सहित सांसद को अनेक ज्ञापन लिख चुके हैं। सतनाली रेल संघर्ष समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत ने बताया कि सतनाली रेलवे स्टेशन से हरियाणा व राजस्थान के सैनिक बाहुल्य 80 गांवों के यात्री यात्रा करते हैं। उन्होंने बताया कि सतनाली स्टेशन पर भारी संख्या में यात्रियों का आवागमन है और उल्लेखनीय यात्रीआय व यात्रीभार है। उन्होंने 22471-72 बीकानेर इंटरसिटी का ठहराव करवाने की मांग करते हुए बताया कि इसके लिए क्षेत्रवासी मीटर गेज के समय से मांग कर रहे हैं और दो बार शांतिपूर्वक धरना भी दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस गाड़ी के सतनाली ठहराव को व्यापक यात्रीहित बीकानेर मंडल की ओर से भी वाणिज्यीक रूप से औचित्यपूर्ण ठहराया जा चुका है। इसके अलावा रेलवे की ओर से लॉकडाउन के बाद से गाड़ी संख्या 19701-02 दिल्ली.जयपुर सैनिक एक्सप्रेस का सतनाली स्टेशन पर हो रहा ठहराव वापिस ले लिया गया है।

सुख तो धर्माचरण से मिलता है, अन्यथा संसार तो दुःखमय है ही! संसार के कर्मों को धार्मिकता के साथ करने में सुख की ही संभावना है।

- जयशंकर प्रसाद

हरपाल का यह सपना.. सपना ही रह गया कि अंत समय में उसके चारों बेटे उसे घेर कर खड़े होंगे, लेकिन सिर्फ कृष्णा उनके पास खड़ा था। अब वह भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि हे भगवान हर एक माता-पिता को एक कृष्णा जैसी संतान जरूर देना।

कहानी | रेखा शाह आरबी

कृष्णा

हरपाल चौधरी एक संपन्न किसान था। खूब संपन्न खेती और गृहस्थी थी। पचास बीघा खेत और गांव के बीचों-बीच बड़ा सा मकान और और दरवाजे पर चार दुधारू पशु उसके ऊपर ईश्वर की बहुत ही अनुकंपा थी और उसके लंबे चौड़े मकान के आंगन में खेलते उसके चार बेटे उसके मन की शक्ति थे। जब भी अपने चारों बेटों को आंगन में खेलता हुआ देखता तो यही सोचता -मुझे किस बात की फिक्र है, जिस दिन मेरे चारों बेटे जवान हो जाएंगे उस दिन मुझसे ज्यादा संपन्न और कौन होगा लोग अपने बुढ़ापे से डरते होंगे मेरे तो चारों बेटे मुझे चारों ओर से घेर कर रखेंगे वह यह सब सोच कर प्रफुल्लित हो उठता था।

ये तो एक इंसान की सोच है, लेकिन ऊपर वाले ने किसके लिए क्या सोच कर रखा है कोई भी नहीं जान पाता है। किस सुख के पीछे दुख की गठरी छुपा कर रखी है और किस दुख के पीछे खुशी का खजाना छुपा कर रखा है यह सिर्फ ईश्वर ही समझ सकता है। आम इंसान कभी नहीं जान सकता है, लेकिन फिर भी हम सब कयास लगाने से नही चूकते हैं।

उसके गांव जगतपुर में यह बात प्रसिद्ध थी कि हरपाल से संपन्न किसान चार जवार में नहीं है। उसके घर लक्ष्मी और सरस्वती दोनों की कृपा एक साथ अपनी अनुकंपा बरसाती हैं। उसने खूब सपने सजाए थे अपने बेटों के लिए कि किसी को डॉक्टर तो किसी को इंजीनियर बनाऊंगा। समय अपनी गति समय से बढ़ता रहा और बच्चे भी बड़े होते रहे। अपनी तरफ से चारों बच्चों रोहन, मोहन, सोहन, कृष्णा को पढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रुपये पैसे की कोई कमी नहीं थी। सब पढ़ने में होशियार थे, इसीलिए आगे बढ़ते चले गए। लेकिन सबसे छोटा कृष्णा पढ़ने के मामले में मंदबुद्धि निकला। गांव के स्कूल से शहर के स्कूल पढ़ने नहीं जा सका। खेती गृहस्थी तो संभाल लेता था, लेकिन पढ़ाई के मामले में वह आगे नहीं बढ़ सका। हरपाल कृष्णा को देखकर बहुत ही चिंतित रहा करता था। पिता होने के नाते उसकी चिंता जायज भी थी।

वह चाहता था कि उसके और बच्चों की तरह.. कृष्णा भी पढ़ लिखकर एक बड़ा आदमी बने, लेकिन ऐसा संभव न हो सका। ईश्वर ने उसकी किस्मत में कुछ और लिखा था। एक बार हरपाल के गांव जगतपुर में एक बड़े ही पहुंचे हुए महात्मा जी मंदिर पर प्रवचन देने के लिए आए थे। तो वह उनके आगे अपना दुखड़ा रोने लगा- 'बाबा मेरे तीनों बेटे तो बहुत होशियार हैं पढ़ने लिखने में सब चीज में, लेकिन मेरा छोटा बेटा कृष्णा वह पढ़ाई के मामले में मंदबुद्धि और एकदम सीधा-साधा है मुझे समझ नहीं आता है मेरे बाद उसका गुजर बसर कैसे होगा?'

महात्मा जी के चेहरे पर बहुत तेज था वह बोले- 'बेटा ईश्वर ने सबको जन्म दिया है और उसी ने सबका भाग्य भी लिखा है। यहां धरती पर चींटी का भी गुजर हो जाता है और शेर का भी गुजर हो जाता है। तुम अपने जिस बेटे के कारण घुले जा रहे हो सकता है भगवान ने कुछ अलग और अच्छा ही सोच रखा होगा, इसीलिए व्यर्थ की चिंता ना करो। सब ईश्वर के ऊपर छोड़ दो। बस कर्म अच्छे करते रहो फल देने वाला तो ऊपर बैठा है और वह किसी के साथ अन्याय नहीं करता है।'

बाबा जी की बात सुनकर हरपाल को संतुष्टि तो नहीं हुई, लेकिन फिर ईश्वर के ऊपर छोड़कर वह अपनी दुनियादारी में व्यस्त हो गया। समय बदलते और बीतते देर नही लगती है। बच्चे बड़े हो गए वह बच्चो के खुद बाप बन गए। घर की खेती बाड़ी विस्तृत थी और हाथ बटाने वाला कृष्णा के अलावा कोई न था। तीनों बेटे तो जैसे लगता था शहर के ही होकर रह गए।

गांव की धूल मिट्टी अब उन्हें रास नहीं आती थी। शुरू-शुरू में तो छुट्टियों में आते भी रहे, लेकिन अब तो धीरे-धीरे आना एकदम बंद कर दिए साल में एकाध बार ही आते थे। जब तक शरीर में हरपाल के जान रही तब तक तो वह शहर में जाकर नाती पोतों से मिल आता था। लेकिन अब 4 महीने हो चुके थे उसे अस्वस्थ रहते हुए, लेकिन ना बेटे शहर से देखने आए और ना ही वह पोतों को देखने शहर ही जा सका। इधर दिन पर दिन स्वास्थ्य गिरता ही जा रहा था।

कुछ उम्र का असर कुछ बीमारियों का असर पूर्ण रुपये से शरीर पर था। एक दिन कृष्णा को बुलाकर कृष्णा से बोला- 'कृष्णा शहर में अपने सभी भाइयों को फोन कर दे। वह सभी आकर मुझसे मिल ले क्या पता कब आंख मुंद जाए और मुलाकात भी ना हो। हरपाल चौधरी बेहद कमजोर आवाज में बोला।' ठीक है बाबूजी मैं अभी फोन लगाता हूं कह कर कृष्णा हरपाल के पलंग के बगल में रखे फोन से अपने भाइयों को फोन लगाने लगा।

'हेलो भैया..आप बच्चे भाभी के साथ गांव आ जाइए। यहां पर बाबूजी की तबीयत बहुत खराब है। कुछ भी हो सकता है, इसलिए आप लोग आकर मिल जाइए और साथ ही मोहन, सोहन भैया को भी खबर कर दीजिएगा।' कृष्णा के बड़े भैया रोहन ने कुछ बातचीत और ताकीद के साथ फोन रख दिया।

इधर हरपाल चौधरी रोज दिन अपने बेटे और नाती पोते के लिए इंतजार करते, लेकिन शहर से ना किसी को आना था ना आया। आखिर एक दिन इंतजार करते-करते हरपाल चौधरी को अब समझ में आ चुका था.. उनके बेटों के लिए उनके जीवन का कोई मोल मूल्य नहीं है। शायद वह कुछ ज्यादा समझदार है। हरपाल चौधरी को साधु बाबा की बातें भी याद आ रही थी कि ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है। वह भी अब सोचते हैं कि अगर कृष्णा अपने तीनों भाइयों के जैसा होता तो क्या होता। अच्छा ही रहा कि थोड़ा मंदबुद्धि है कम से कम उसके अंदर रिश्ते नाते और इंसानियत तो जिंदा है।

अब वह साफ-साफ साधु बाबा के बातों का मंतव्य समझ चुका था.. और अब उसे कृष्णा के भविष्य की जरा भी चिंता नहीं थी क्योंकि वह समझ चुका था कृष्णा भले ही धन से बहुत ज्यादा अमीर ना बने, लेकिन इंसान के रूप में वह बहुत अच्छा इंसान भगवान ने बनाया है।

हरपाल का यह सपना.. सपना ही रह गया की अंत समय में उसके चारों बेटे उसे घेर कर खड़े होंगे। घेर कर तो खड़ा था लेकिन सिर्फ कृष्णा उनके पास खड़ा था। अब वह भगवान से प्रार्थना कर रहे थे कि हे भगवान हर एक माता-पिता को एक कृष्णा जैसी संतान जरूर देना ताकि दुनिया में रिश्ते नाते प्रेमभाव और इंसानियत जिंदा रहे।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

आंगन में चारपाई

कहानी | मधु वशिष्ठ

आज लगभग बाबू जी की मृत्यु के 8 साल बाद हम सारे भाई बहन गांव की हवेली में इकट्ठे हुए। आज 2:00 बजे पड़ोस के ताऊ जी के बेटे को हम सब ने हवेली के कागजात पर साइन करने का वादा किया था। हम सब बहुत समय बाद अपनी पुरानी हवेली में इकट्ठे हुए थे। घर की हर चीज पुरानी यादें दिला रही थी। हालांकि हम सबके चेहरों पर झुर्रियां स्पष्ट थी। हम सब लगभग बुढ़ा चुके थे लेकिन हवेली में आते ही मानो हमारा बचपना लौट आया हो। हम सब भूल चुके थे कि हम जीवन के रास्ते पर इतने आगे बढ़ चुके हैं कि अब दादी और नानी का भी किरदार निभा रहे हैं, लेकिन हवेली में हम सातों भाई बहन फिर वैसे ही हो गए थे जैसे कि माता-पिता की छत्रछाया में होते थे। छोटी दीदी चिल्लाती हुई बोली, आम के पेड़ को देखो कितना बड़ा हो गया है ना और कितनी सारी अंबिया लग रही है। हालांकि अंदर बहुत धूल मिट्टी जमी हुई थी फिर भी चुटकी और मंझले भैया यूं ही पूरे हवेली में घूम-घूम कर देख रहे थे। बचपन की ही बातें करते हुए मानो हम सब अपने बचपन को दोबारा से जी रहे थे।

घर की चाबी बड़े भैया के पास रहती थी। पूरे घर में खरपतवार उगी हुई थी। शायद बड़े भैया भी बाबू जी की मृत्यु के बाद पहली बार ही हवेली में आए थे। उन्होंने अंदर जाकर सारी चारपाइयां और पलंग हमने सबके बैठने के लिए निकाले। चारपाइयों पर अब भी बेहद धूल जमी हुई थी और लगभग हर चारपाई झूला सी बन चुकी थी। उनमें से भी एक टूटी हुई खटोले जैसी चारपाई को देखकर मंझला भैया बड़ी दीदी से बोला यही तेरा सिंहासन है ना जिस पर कि तू मुझे बैठने भी नहीं देती थी। हम सब भाई बहन हंस पड़े और सब पुरानी यादों में ही खोए हुए थे। तभी ताऊ जी का बेटा घर के सारे कागजात तैयार कर के ले आया था। दीदी के आंखों की कोरों में तो आंसू भी स्पष्ट थे। आज के बाद इस घर से हमारा सबका नाता ही टूट जाएगा। आज तक हम सब खुद का परिचय दिल्ली के इस गांव के नाम से देते हैं अब---? भाई साहब इधर साइन कर दो, ताऊ जी के बेटे की इस आवाज से हम सब की तंद्रा टूटी। भाई साहब ने पेन हाथ में लिया, हम सब की ओर देखा और फिर बोले, मैं इस घर को बेचना नहीं चाहता। हम सब ने भाई साहब की और प्रश्नसूचक दृष्टि से देखा। तभी ताऊ जी के बेटे ने हैरान होकर कहा तो फिर? भाई साहब आप बाहर पता कर लो इससे ज्यादा पैसे गांव में और कोई नहीं दे पाएगा। मैं तो सिर्फ इसलिए इस घर को लेना चाहता हूं क्योंकि मेरे दोनों बेटे जिसमें से कि एक तो डॉक्टर है वह यहां पर अपनी क्लिनिक चला लेगा और दूसरा बेटा जो कि अपनी कोचिंग क्लासेस लेता है वह भी इसी हवेली में ही बच्चों को पढ़ा लेगा। मेरे तो यह घर साथ में लगा हुआ है, इसलिए ही तो मैं इसे खरीदना चाहता हूं और --? तभी भाई साहब बोले, मैंने यह कब कहा कि मैं तुझे घर नहीं दूंगा। मैं तो सिर्फ इतना ही चाहता हूं कि इस घर में आप लोग आराम से कोचिंग भी चलाओ और क्लीनिक भी बनाओ। निखिल भाई इस घर में हमारे माता-पिता की मूर्ति लगेगी और उनके नाम से ही कोचिंग और क्लीनिक भी चलेगी। आप तो बस हमें सिर्फ इतना वचन दो कि पूरे दिन में एक घंटा उनके नाम से आप गरीबों को मुफ्त दवाई देंगे और उनको पढ़ाई भी करवाएंगे। यदि आपको ऐसा करने के लिए कुछ पैसों की भी आवश्यकता हुई तो मैं वह भी दे दूंगा, लेकिन इस घर में हमारा नाम और हम सब की पहचान हमेशा बनी रहनी चाहिए। हमारे बच्चों को और सबको अपने गांव का पता हमेशा याद रहना चाहिए। यह हवेली नहीं हम सब का तीर्थ स्थल है। हमारे बच्चों को भी पता होना चाहिए कि उनके माता-पिता कहां रहते थे। आज हम सब को यहां आकर बहुत अच्छा लगा है। भैया ने ताऊजी के बेटे से कहा निखिल भाई यह जो चारपाई खटोला बन चुकी है इसे फिर से बनवाकर आंगन में ही डलवा देना। ऐसा बोलकर भाई साहब ने हम सब की ओर देखा। उनके इस सुझाव पर हम सब ने मौन स्वीकृति दे दी थी और आज का दिन हमारे लिए बहुत खास था। ऐसा महसूस हो रहा था मानो अम्मा बाबूजी हमारे बीच में ही बैठे हैं।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

दौर बदलेगा

दौर बदलेगा फिजाएँ भी सुहानी शाम देंगी,
राह पर बढ़ते रहो तुम, मंजिलें आराम देंगी।

है नहीं मुश्किल डगर यह हौसले से काम ले लो,
हिम्मतें ही कह रहे सब, साँसों का ईनाम देंगी।

आपकी उलझी लटों का है समय कुछ कीजिएगा,
उलझनें अब भी बढ़ी तो जिन्दगी को थाम देंगी।

महफ़िलों में है जरूरी आना-जाना छोड़ दो तुम,
होश उड़ जायेंगे तेरे, महफ़िलें वो जाम देंगी।

है जहाँ भी तू ठहर जा, जीतना जो चाहता है,
कोशिशें हम सब करेंगे, तो बड़ा अंजाम देंगी।

लघुकथा | संध्या प्रकाश

सुलह

रोज-रोज के झगड़े अब मैं बर्दाश्त नहीं कर सकती। तुम्हारे जैसे गुस्सैल आदमी के साथ मुझे निकाह के लिए अपनी रज़ामंदी नहीं देनी चाहिए थी तल्ख़ आवाज़ में शबीना बोली। 'फिर यहाँ क्यों बैठी हो। चली क्यों नहीं जाती।' शमशेर ने भी गरजते हुए जवाब दिया। तैश में शबीना ने कुछ सामान और कपड़े झोले में भरे और रोते हुए बोली 'मुझे मेरे अब्बू-अम्मी के घर पहुँचा दो। मुझे तुम्हारे जैसे शौहर के साथ एक पल भी इस दोज़ख में नहीं रहना है।' शमशेर ने भी दनदनाते हुए दरवाज़े पर खड़े अपने साइकिल-रिक्शा को निकाला और गुस्से में बोला, 'मेरे ऊपर तेरा ये रौब नहीं चलेगा। रिक्शा में बैठो... आज तुझे तेरे नैहर छोड़ आता हूँ।' बाहर गर्म लू चल रही थी। पारा 40 डिग्री के पार था। पसीने और गर्मी से शबीना का बुरा हाल था। उसने शमशेर की तरफ़ देखा। शमशेर अपनी धुन में रिक्शा चलाए जा रहा था। उसका शरीर पसीने से लथपथ था। शबीना को अपने बर्ताव पर अफ़सोस हुआ। उसने झोले में से छतरी निकाली और शमशेर के सिर पर तान दी। शबीना के इस रूप को देख शमशेर बोला 'शबीना, मुझे माफ कर दे। अब मैं तुझ पर गुस्सा नहीं किया करूँगा। तू भी मुझसे प्यार से बात किया कर।' शबीना हौले से मुस्कुरा दी। शमशेर ने रिक्शा घर की तरफ मोड़ दिया।

कुण्डलिया छंद | डॉ. राजेन्द्र कुमार अवस्थी

होने लागीं रैलियाँ

होने लागीं रैलियाँ, बड़ी-बड़ी अब आम।
आती रही चुनाव में, रैली सबके काम॥

रैली सबके काम, काम ये चोखा करतीं।
हरियाणे में नित्य, जोश जनता में भरतीं॥

देना वोट जरूर, चले मत जाना सोने।
दिवस मई पच्चीस, चुनाव यहाँ पर होने॥

रैली में दिखला रहे, नेता अपना जोर।
विविध चुनावी रूप में, मचा हुआ अब शोर॥

मचा हुआ अब शोर, वोट की महिमा न्यारी।
जता रही है भीड़, कौन का पल्ला भारी॥
देना उसको वोट, बने जो देश रचेता।
प्रगति देश में खास, माइने रखता नेता॥

लघुकथा | राकेश कुमार सपड़ा

दूसरा पहलू

उसका बायां बाजू पेट के साथ चिपका हुआ था और वो मुश्किल से स्टिक के सहारे से लड़खड़ाते हुए चल कर आया था। जैसे ही वो शहर के जाने माने वकील मनोज अवस्थी के दफ्तर में उनके सामने कुर्सी पर आ कर बैठा तो पुरानी सारी यादें चलचित्र की भांति उनके विचार पटल से होकर गुजरी थी। वो और कोई नहीं विनीत था जो एक समय उनके पास जूनियर रह कर वकालत सीखा था। कुछ ही समय मे वो उनका चहेता और परिवार के सदस्य जैसा बन गया था। बेहद कुशल और पेशे के प्रति समर्पित। थोड़े ही समय मे वो वकालत के गुर सीख गया था। ये मनोज अवस्थी ही थे जिन्होंने उसकी शादी अपने पहचान वाले हरिशंकर की बेटी पायल से करवाई थी। पायल भी बहुत सुशील थी। दोनों की जोड़ी बेहद खूबसूरत थी। बाद मे विनीत ने अपने शहर मे जाकर वकालत शुरू करने की इजाजत मांगी थी और अवस्थी जी ने भी उसे खुशी-खुशी शुभकामनाएँ दे कर विदा किया था। विनीत ने अपनी लगन व मेहनत से चंद वर्षों में वकालत में अच्छा नाम कर लिया था, जिसकी खबर उनको मिलती रहती थी। विनीत को इस हालत में देखकर अनायास ही उनकी जुबान से निकला 'ऐसा कैसे? तुम तो अच्छा कर रहे थे?' 'डेस्टिनी को शायद यही मंजूर था सर मेरा वकालत का सफर यही तक था। मुझे पैरालैटिक अटैक हुआ तथा बायें हिस्से ने काम करना बंद कर दिया। वकालत छूट गई सर। कई महीने बिस्तर पर ही गुजरे हैं। ये तो भला हो फ़िज़ियोथेरेपिस्ट का जिसकी वजह से स्टिक के सहारे अब कुछ चल पाता हूँ।' विनीत ने लड़खड़ाती जुबान से जवाब दिया था। 'पायल नहीं आई तुम्हारे साथ।' उन्होंने पूछा था। 'नहीं सर वो तो नहीं आई किन्तु उसकी वजह से मैं आपके पास आया हूँ। '₹ ये कह कर विनीत ने कुछ पेपर आगे कर दिए थे। वो पायल द्वारा भेजा गया कानूनी नोटिस था, जिसमें उसने विनीत से तलाक लेने की माँग की थी। पढ़ कर अवस्थी जी के चेहरे पर परेशानी के भाव उभर आये थे।' सर मैंने भी अब ये फैसला लिया है कि पायल को तलाक दे दूं मेरे पास अब उसे देने को कुछ नहीं है और मैं उस पर बोझ बनकर नहीं जीना चाहता हूँ। पिता जी तो नहीं रहे माँ के साथ रहकर ही जैसे- तैसे गुजारा कर लूँगा। मुझे भी अब उसकी जरूरत नहीं है। आप पायल को बुलाकर मेरे इस फ़ैसले बारे बता दें। हम आपसी रजामंदी से तलाक ले लेंगे आपकी कृपा होगी।' विनीत ये कह कर चला आया था। पायल अवस्थी जी के सामने बैठी थी। उन्होंने ही उसे बुला भेजा था। अवस्थी जी ने सारी बात उसके समक्ष रखते हुए कहा 'मुझे तुमसे कदापि ये उम्मीद नहीं थी।' पायल के चेहरे पर हल्की सी मुस्कान उभर आई थी। 'आप भी मुझे विनीत की तरह समझ नहीं पाए सर। मैं विनीत को पल-पल निराशा के साथ जीते देखना नहीं चाहती थी। वो बिस्तर पर पड़ा रहकर जिंदगी को कोसता रहता था। किसी इलाज का कोई असर उस पर नहीं हो रहा था। वो इस कदर अवसाद में जा रहा था कि उसे ये शॉक देना जरूरी था।मैं उसको छोड़ कर भले ही आ गई थी, किन्तु मेरा प्यार उसके प्रति कभी कम नहीं हुआ। मैं हमेशा उस फ़िज़ियोथेरेपिस्ट के सम्पर्क में रही हूँ जो उसका ट्रीटमेंट कर रहा है। नोटिस भी इसलिए भेजा था कि वो जिंदगी के प्रति अपनी निराशा की सोच से निकल कर फिर से उठ खड़ा हो। आज मुझे लगता हैं कि मैं अपने मकसद में कामयाब रही हूँ। जल्द ही वापस लौट जाऊँगी सर।' अवस्थी जी के चेहरे पर भी संतोष के भाव थे। बरबस ही उनका हाथ पायल के सिर पर आशीर्वाद के लिए उठ आया था। सिक्के का ये दूसरा पहलू उनकी सोच से परे निकला था।

श्रेष्ठ साहित्य के सृजन के लिए आपको अधिक से अधिक अध्ययन करना पड़ेगा, तभी आप एक कालजयी साहित्यकार बन सकते हैं। वरिष्ठ साहित्यकारों का भी दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को आगे रखें, नवांकुरों को अपने सहयोग का जल सिंचन करें.. ताकि वे पल्लवित पुष्पित हो सके। युवा रचनाकारों को मंच देकर, पत्रिकाओं में उनकी रचनाओं को स्थान देकर और उन्हें प्रोत्साहित करके, सम्मानित करके, श्रेष्ठ साहित्य को बढ़ावा दिया जा सकता है।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

साहित्य सृजन के अभाव में जीवन में शुष्कता आती: डॉ. चंद्रदत्त शर्मा

साहित्य केवल चित्रण नहीं करता ,वर्णन ही नहीं करता, बल्कि समाज कैसा होना चाहिए इस बात पर ध्यान देता है और दिलाता है। इस कारण अगर साहित्य का सृजन नहीं हो पाता या युवा वर्ग उसमें रुचि नहीं ले पाता तो यह समाज से नैतिकता के पतन का कारण बन सकता है। साहित्य सृजन के अभाव में समाज व जीवन में शुष्कता आ सकती है। यह कहना है कवि डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि का।

मडॉ. चंद्रदत्त शर्मा को साहित्यिक संस्कार विरासत में मिले हैं। उनके दादाजी माया चंद हरियाणवी वाद्य घड़वा बजाते थे। पिताजी बैंजो, हरमोनियम और सामाजिक और भक्तिपूर्ण मधुर भजन गाते रहे हैं। इसके अतिरिक्त दादा रतिराम मास्टर तो भजनी जगदीशचंद्र वत्स आंचरा के गुरु रहे हैं। चंद्रदत्त भी कक्षा 5वीं से कुछ जोड़-तोड़ करने लगे थे। उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त की मातृभूमि कविता को हरियाणवी में अनुवाद कर गाया था। आठवीं कक्षा में निबंध लेखन में विद्यालय में प्रथम रहे। 11वीं (1991) में ठीक से कविता लिखने लगे थे। रुचि उतनी थी कि एमए की परीक्षा के समय में रातभर कविता लिखते रहे और उस वर्ष उन्होंने 300 कविताएं लिखी।

उनकी प्रथम कविता 'गौरव गाथा' 1993 में गौड़ कालेज की पत्रिका में भेजी गई थी, इसके अतिरिक्त कई रचनाएं सांध्य दैनिक में छपती रहीं। शुरूआत में वे परिवार वालों से छिपकर लिखते थे। जब घरवालों को पता चला, वे इस कला के विरुद्ध थे, परंतु पिताजी ने उनकी 2 पुस्तकें (भारतभूमि, भारतेंदु काव्य) छपवाई थी। प्रारंभ में चंद्रदत्त शर्मा ने अपनी भैंस पर कविता लिखी, फिर पूरे गांव पर, गांव के अविवाहितों पर रागनी लिखी। तालाब पर बैठकर कविताएं सुनाता था, तब उनकी भैंस भी गुम हो जाती थी। वर्ष 1998 में जब वे एम. ए. हिंदी में थे, राष्ट्रीय वीररस कवि सम्मेलन एमडीयू में था.. जिसमें राजकवि उदयभानु हंस और हरिओम पंवार थे। 'घायल हैं सब' कविता प्रस्तुत की थी। डॉक्टर पूर्णचंद शर्मा और प्रो. नरेश मिश्र ने कला के निखार में बहुत सहयोग किया। बाद में डॉक्टर मधुकांत जी ने भी पूर्ण सहयोग किया। रचनाएं छपने में और मंच न मिलने की पीड़ा ने आहत भी किया। एक गोष्ठी में गए, पर सुनाने का मौका नहीं दिया गया। जिस कारण प्रतिकार स्वरूप और नए साहित्यकारों के लिए भी (शैली साहित्यिक मंच) रजिस्टर कराया। साहित्य सोम त्रैमासिक निःशुल्क पत्रिका प्रारंभ की। उनके लेखन का फोकस सामाजिक विषमता ही रहा है। हास्य कविताओं में भी कहीं ना कहीं व्यंग्य ही निहित होता है। उनकी कला के विविध क्षेत्र रहे हैं, जैसेः हरियाणवी भजन, हरियाणवी कविता, हास्य कविता, हास्य व्यंग्य निबंध, लघुकथा, कहानी, संस्मरण आदि। पत्र पत्रिकाओं के अतिरिक्त आकाशवाणी रोहतक से युवा संसार में भी 12 वर्ष तक उनकी कविताओं का पाठ होता रहा है।

उनका कहना है कि आज साहित्य लेखन के साथ-साथ पाठक वर्ग की भी समस्या रही है। पाठकों के पास समय का अभाव है, कारण चाहे कोई भी हो लेकिन इसके लिए कहीं ना कहीं साहित्यकार भी जिम्मेदार है। साहित्यकार का दायित्व है कि वह राजनीति, जाति- धर्म आदि से ऊपर उठकर ऐसे साहित्य का निर्माण करें जो सार्वभौमिक और सर्वहित में हो। आज लेखन तो बहुत हो रहा है, लेकिन उसमें गुणवत्ता और गहनता की कमी है इस कारण लेखक को गहन अध्ययन के उपरांत ही अपना लेखन कार्य प्रारंभ करना चाहिए। ऐसी बात नहीं है कि युवा वर्ग लिख नहीं रहा है ,वह लिख तो रहा है लेकिन जो लिखना चाहिए वह लिख नहीं पा रहा है, उसकी अपनी समस्याएं हैं, कहीं बेरोजगारी तो कहीं पारिवारिक समस्याएं हैं। दूसरा कारण यह है कि जो लिख रहा है ..वह उस साहित्य को जी नहीं रहा है और सस्ती लोकप्रियता में खो जाता है,जो साहित्यकार अनुभव करेगा उसकी अनुभूति गहन होगी और जिसकी अनुभूति गहन होगी उसका साहित्य नया पाठक वर्ग तैयार करेगा और पाठकों में रुचि पैदा कर सकेगा।

प्रकाशित पुस्तकें

जहां तक पुस्तक प्रकाशन और लेखन का विषय है, डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि अब तक कुल 45 पुस्तक लिख चुके हैं, जिनमें 13 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने कई पुस्तक का संपादन भी किया है और 35 साझा-संग्रह भी निकाले हैं। इसकेसाथ साथ उन्होंने 30 शोधपत्र भी लिखे हैं। 10 राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया है। देशभर की 70 पत्र - पत्रिकाओं से अधिक में रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। हरिगंधा, हरिभूमि, के अतिरिक्त प्रमुख पत्रों में रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा भी पुस्तक प्रकाशित कराई गई है। डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि की कई रचनाएं विश्व रिकॉर्ड में भी संकलित की गई हैं।

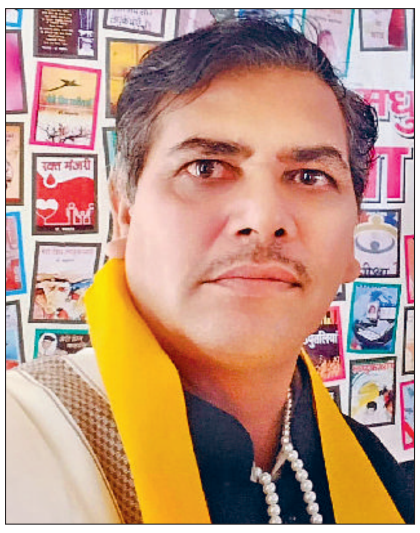

डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि

पुरस्कार व सम्मान

जहां तक सम्मान की बात है अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। लगभग 300 सम्मान जो राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं; सम्मानित किया गया है। जैसे : अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा साहित्य सम्राट, साहित्य भूषण, साहित्य रत्न , भागलपुर हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्या वाचस्पति सम्मान, शिक्षाभूषण सम्मान, विकी वर्ल्ड रिकॉर्ड, लंदन वर्ल्ड रिकॉर्ड, समाज सारथी सम्मान, हरिवंश राय बच्चन सम्मान, डॉक्टर राधकृष्णन सम्मान, फणीश्वरनाथ रेणु सम्मान, सुमित्रानंदन पंत स्मृति सम्मान आदि।

व्यक्तिगत परिचय

नामः डॉ. चंद्रदत्त शर्मा चंद्रकवि
जन्मतिथिः 22.04.1973
जन्म स्थानः ग्राम ब्राह्मणवास रोहतक हरियाणा।
शिक्षाः एम. ए. हिंदी, एमफिल, पीएच. डी. हिंदी, बी. एड, विद्या वाचस्पति।
संप्रतिः हिंदी प्राध्यापक, राजकीय वरिष्ठ मा. विद्यालय घड़वाल, सोनीपत, हरियाणा।

मरहम का काम करती पुस्तक 'बारिश की बूँदें'

निशा भास्कर

पुस्तक : बारिश की बूँदें
लेखक : निशा भास्कर
मूल्य : 249 रुपये
प्रकाशक : किताबघर

पुस्तक समीक्षा | मनोरमा पंत

आज पूरे विश्व में बिखराव, खोखलापन, हीनता, कुंठा का भाव आता जा रहा है, ऐसे नैराश्य भरे वातावरण में निशा भास्कर की लघुकथा संग्रह 'बारिश की बूँदे' मरहम का काम करती हैं। निशा की लघुकथाएं आज के त्रस्त मानव के मानस को न केवल ठंडक पहुँचा रही हैं वरन समाज में व्याप्त विसंगतियों से लड़ने का हौंसला भी देती हैं। कुल 84 लघुकथाओं के इस गुलदस्ते के आत्मकथन में निशा भास्कर ने लघुकथा की परिभाषा, इतिहास, प्रकार, प्रयोगवादी लघुकथा लेखन पर समुचित प्रकाश डालकर एक सराहनीय कार्य किया है। 'बारिश की बूँदें' पढ़कर मुझे महसूस हुआ कि लघुकथाओं के माध्यम से हम समाज को पुनः साहित्य और संस्कृति से जोड़ सकते हैं। इस लघुकथा की पहली लघुकथा 'स्वीकार' प्रतिनिधि कहानी है। जिसमें गरीब परिवार का रोहन कुंठाग्रस्त होकर अपने आप को एक रईस बतलाता है, पर अंत में वह अपनी गलती स्वीकार कर,एक नया दृष्टिकोण अपना कर हीनता की ग्रंथि से छुटकारा पा लेता है। लघुकथा में शब्दों के संयोजन से भाषा शैली में अद्भुत सौन्दर्य पैदा करना इस लघुकथा की विशेषता है। 'कुदूस' उनकी एक अन्य सुन्दर लघुकथा है, जिसमें कुदूस नामक मुस्लिम बच्चा अपनी दादी का कंघा हिला-हिलाकर बोलता है। दादी मत रो! मेरी मैडम कहती है, अल्लाह और कान्हा दोनों ही रहमान है। दोनों अंदर से बिल्कुल एक समान है, बस नाम का फर्क है।' आज के युग में जब धर्मान्धता सिर पर चढ़कर बोली रही है। यह लघुकथा एक मरहम का काम करती है। 'क्या-क्या करूँ' बच्चों के मनोविज्ञान पर आधारित लघुकथा बालमन की दुविधा को उजागर करती हैं। 'कड़ी' नामक लघुकथा में संवेदना की पराकाष्ठा है। 'इन्द्रधनुष' भी गरीबी की त्रासदी से उपजी विडम्बना को उजागर करती सीधी सरल भाषा शैली की लघुकथा है। एक छतरी के लिए तरसते गरीब बिरजू को मजबूर माता-पिता जैसे-तैसे छतरी दिला देते हैं,तो बच्चे की खुशी से चमकती आँखें माँ को खुशी से सरोबार कर देती है। कई लघुकथाएँ उपदेशात्मक हो गई।'निपटारा' लघुकथा के शीर्षक के विषय में पुनः विचार किया जा सकता है। कुल मिलाकर इस संग्रह की प्रतिनिधि लघुकथाएं अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रही है।इन छोटी-मोटी कमियों के बावजूद 'बारिश की बूँदें' पाठकों को अवश्य पसंद आएगी, ऐसी मुझे पूर्ण आशा है।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

शराब के नशे में महिला को हाथ पर मारा डंडा

नारनौल। शहर के मोहल्ला मालीटिब्बा ने एक शराबी ने महिला को हाथ पर डंडे से मारा। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मालीटिब्बा निवासी बबलू जांगिड़ ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करके गुजारा करता है। दोपहर करीब एक बजे मोहल्ले का ही विक्रम शराब पीए हुए था। जब मेरी माता अपने घर के सामने गली में खड़ी थी, तब विक्रम ने मां गीता को दाहिने हाथ पर डंडा मारा और जान से मारने की धमकी दी।

घर के बाहर से बाइक चोरी, पुलिस से शिकायत

नारनौल। गांव रायमलिकपुर में घर के बाहर खड़ी की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित संदीप ने बताया कि वह खेतीबाड़ी करता है तथा हीरो स्पलेंडर प्लस बाइक को रात के समय घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह उठे तो बाइक गायब मिली।

अवैध शराब बेचते पुलिस ने एक किया गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस ने हाजीपुर मोड़ से एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब बेचते हुए पकड़ा है। जानकारी मुताबिक पुलिस को सूचना मिली की हाजीपुर मोड़ पर सुमित उर्फ टाइगर एक सफेद प्लास्टिक कट्टे में कोटड़े में रखकर अवैध रूप से शराब बेच रहा है। पुलिस ने रेडिंग पार्टी तैयार की और छापा मारा तो मौके पर सुमित उर्फ टाइगर शराब बेचता मिला।

हुडा सेक्टर एक में मां-बेटी से मारपीट

नारनौल। हुडा सेक्टर एक में रह रही लहरोदा निवासी सुषमा देवी ने पुलिस में दी शिकायत में आरोप लगाते हुए बताया कि रात 8 बजे उनके घर मोनू गांव कुतबापुर आया। उसके साथ हमारे रुपयों को लेकर छोटी-मोटी कहासुनी हुई तो उसने मेरे बेटे व मेरे सिर में प्लास से चोट जारी। बेटी के हाथ पर बुटका खा लिया और मेरे पैर पर बुटका खा लिया।

चाय विक्रेता को शराब बेचते पकड़ा

नारनौल। शहर के महावीर चौक के समीप नावल टी स्टॉल पर एक चाय विक्रेता को पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचते हुए पकड़ा है। सब इंस्पेक्टर सविना मुताबिक उन्हें गुप्त सूचना मिली कि महावीर चौक के समीप चाय विक्रेता प्रवीण शर्मा चाय की दुकान में शराब बिक्री करता है। जब छापा मारा गया तो दुकान पर एक व्यक्ति सफेद कट्टा में शराब लिए हुए बैठा था।

नशीला पदार्थ देने के आरोप में गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ गांजा मुहैया कराने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नारकोटिक सेल ने 17 मई को एक आरोपी को गांजे के साथ गिरफ्तार करने के बाद उसके साथ पूछताछ शुरू की थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने योगेश उर्फ टकला निवासी अर्जुन नगर को गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

धारूहेड़ा। मीरपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर गत 9 मई को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मीरपुर निवासी शकुंतला व रीना को इस केस में गिरफ्तार कर लिया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

कोसली। गूगोढ़ में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष के बयान पर पुलिस ने 29 अप्रैल को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने सुरेश और उसकी पत्नी वर्षा को गिरफ्तार किया है। एक अन्य मामले में पुलिस ने गढ़ी में रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रणधीर को भी गिरफ्तार किया है। पीड़ित ने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

जिले में दिन का तापमान 46 डिग्री व रात का 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा

आमजन को लू से नहीं मिली राहत तापमान फिर 46 डिग्री किया दर्ज

जिले में दिन का तापमान सामान्य से 5.5 डिग्री व रात को 4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। लू व गर्मी से बचने के दुपटा लपेटे स्कूटी सवार युवती।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में लगातार मौसम की चरम परिस्थितियां बनी हुई है। जिसके चलते भीषण आग उगलने वाली गर्मी व प्रचण्ड हीट वेव (लू) अपने तीखे तेवरों से आगाज किए हुए हैं। साथ ही सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। वहीं रविवार को भारतीय उपमहाद्वीप पर साल की पहली मानसून की बौछारों ने आगाज कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून काफी सकारात्मक तरीके से भारत की ओर बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में बिना किसी अड़चन के यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर मानसून ने रविवार को आधिकारिक तौर पर शुरूआत कर दी है। मानसून आगामी दिनों में लगातार आगे बढ़ता रहेगा व सामान्य या सामान्य समय से पहले भारतीय मुख्य भूमि पर दस्तक देगा। बता दें कि पिछले एक सप्ताह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में लगातार भीषण आग उगलने वाली गर्मी और प्रचण्ड हीट वेव लू का दौर जारी है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में सम्पूर्ण इलाके में लगातार भीषण गर्मी व लू और अधिक उग्र तथा रौद्र रूप दिखाएंगी। जिसके चलते भारतीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र पानीपत को पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं जिला महेंद्रगढ़ सहित बाकी सभी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। रविवार को हरियाणा के नूंह का दिन का तापमान सबसे ज्यादा 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हरियाणा एनसीआर दिल्ली के अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 44.0 डिग्री सेल्सियस से 47.2 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। साथ ही साथ हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस से 29.5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन का तापमान क्रमशः 46.0 डिग्री सेल्सियस व 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। साथ ही साथ जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान क्रमशः 29.5 डिग्री सेल्सियस व 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान से 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

मई महीने के अंत में गर्मी व लू से राहत के आसार

डा. चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा के दक्षिणी हिस्सों में आंशिक बादलवाही व छिटपुट बूंदाबांदी के साथ तेज गति से हवाएं चलने की गतिविधियों को दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मई महीने के अंत में भीषण गर्मी व लू से कुछ राहत मिलने के आसार है।

क्या कहते हैं मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्रमोहन ने बताया कि सम्पूर्ण इलाके पर लगातार बलुचिस्तान व थार मरुस्थल से सीधी पश्चिमी शुष्क गर्म हवाएं चलने तथा सुबह से शाम तक सूर्य की तपिश की वजह से आसमान से आग बरस रही है। इसके अलावा 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज गति से सतही हवाएं चलने से वातावरण से नमी नदारद हो रही है। जिससे सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है।

प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म रही नारनौल में रात

रविवार को नारनौल का इस सीजन का सबसे ज्यादा गर्म दिन व हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे ज्यादा गर्म रात दर्ज की गई। वहीं आने वाले दिनों में भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में भीषण आग उगलने वाली गर्मी व लू का दौर जारी रहेगा।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को दिलाई गोपनियता की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गुरु गोरक्षनाथ मंदिर के सामुदायिक भवन में रविवार को जोगी नाथ समाज उत्थान संगठन की नवनियुक्त कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता भिवानी से पधारे एडवोकेट राकेश पंवार ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि ने गुरु गोरक्षनाथ जी चरणों में दीप प्रज्वलित कर व फूलमाला पहनाकर की। इस अवसर पर समाज के सम्मानित व्यक्तियों ने बाहर से आए अतिथियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से चुने गए नवनियुक्त प्रधान प्यारेलाल योगी, सचिव नरेंद्र योगी, कोषाध्यक्ष धर्मपाल योगी का पूर्व प्रधान मनीराम योगी, राधेश्याम योगी, ओमप्रकाश योगी, गुलाब सिंह योगी, जितेंद्र योगी, मास्टर संजय योगी, हवासिंह योगी, जगदीश प्रसाद, रामसिंह, दिनेश दंचोली, हेमंत योगी आदि रहे।

बीपीएस स्कूल के बच्चों ने लिया पूल पार्टी का आनंद

नारनौल। बीपीएस जूनियर पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगिण विकास की ओर भी पूरा ध्यान देता है। इसी श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड के प्रांगण में बच्चों को फल-सब्जियां खाने के प्रेरित करने के लिए वॉटर मेलन डे एक्टीविटी आयोजित की गई। साथ ही साथ बच्चों को गर्मी से राहत देने हेतू कक्षा नर्सरी से दूसरी कक्षा तक पूल पार्टी का भी आयोजन किया गया। जिसका बच्चों ने भरपूर लुत्फ उठाया। स्विमिंग पूल में पानी के बीच डांस कर धमाल मचाया। रंगीन छाते व चश्मे लगाकर रेन डांस भी किया। संस्था के प्रधानाचार्य उदयभान राव ने बताया कि छोटे-छोटे बच्चों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए पूल पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्था के वाइस चेयरमैन कमल संघी, सहसचिव डा. कर्ण चौधरी, जूनियर विंग की हैड रेणू गुप्ता, कोरियोग्राफर तरूण सोनी, अमिता शर्मा, रेखा सैनी, कोमल, गुरुप्रीत कौर, रविंद्र कौर आदि मौजूद थे।

सरस्वती स्कूल भोजावास के विद्यार्थियों ने रखे सकोरे, पक्षियों को मिलेगा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में प्राचार्य राजेश कुमार की अगुवाई में विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध करने का संकल्प लिया है। उन्होंने स्कूल व घरों की छत पर सकोरे रखे तथा पेड़ों पर भी पानी का प्रबंध किया गया। जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को सुविधा पूर्वक पानी उपलब्ध हो सकेगा। प्राचार्य ने बताया कि बीते पांच दिनों से तापमान निरंतर गर्म हो रहा है। करीब 46 डिग्री तापमान होने से आमजन की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो गई, सुबह नौ बजे बाद घरों से बाहर निकलना संभव नहीं हो रहा है। कृषि बोरवेल व जोहड़ों में पानी नहीं होने के कारण वन्य प्राणी व पक्षियों को जानलेवा खतरा बढ़ गया। बचाव के लिए आमजन को घरों की छत, पेड़ों पर तारों की मदद से सकोरे रखना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि वन्य प्राणियों के पास ठंडी छायां नहीं होती, लू चलने से उनके कंठ तेजी से सूखते हैं। इधर-उधर भटकने के बावजूद उन्हें एकांत माहौल में पानी नहीं मिलता है। इसलिए स्कूल प्रबंधन कमेटी ने विद्यार्थियों की मदद से छत व पेड़ों पर सकोरे रखने का अभियान चलाया है। उन्होंने बताया कि दो दिनों में 23 गांवों में 65 घरों की छत तथा 22 पेड़ों पर सकोरे रखकर उन्हें नियमित रूप से साफ करने तथा पानी भरने की जिम्मेवारी निर्धारित की गई है।

टाइगर क्लब ने चलाया मतदान जागरूकता अभियान

- लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक को बढ़चढ़कर करना चाहिए मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मतदाताओं को शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

टाइगर क्लब परिवार की ओर से रविवार को मतदान जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत कटरा नंबरदार के सभी व्यापारी भाइयों को मतदान की शपथ दिलाकर जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अवसर पर टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने कहा कि सबसे पहले करें मतदान, फिर जल पान, हम सब करेंगे 25 मई को अपना मतदान फिर करेंगे ओर कोई काम की शपथ दिलाते हुए कहा मतदान करना देश के लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्वतंत्र अधिकार है। इसका उपयोग कर हम अपने एक अच्छे जन प्रतिनिधि का चयन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदान की प्रक्रिया निर्भीक होकर करनी चाहिए। मत डालने का अधिकार संविधान ने 18 साल के युवा वर्ग से लेकर सब को दिया है। मतदान के अधिकार का उपयोग स्वतंत्र लोकतंत्र की स्थापना के लिए जरूर करना चाहिए। मतदान को महापर्व के रूप में मनाना चाहिए, क्योंकि इस दिन जनता अपने वोट से देश का भाग्य लिखती है।चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से ऊपर के बुजुगार्ं को घर से ही मतदान करने की सुविधा की है, जो चुनाव आयोग की एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करना ही इस अभियान का लक्ष्य है। इस मौके पर टाईगर क्लब परिवार प्रधान राकेश यादव, जयप्रकाश अग्रवाल, कैलाश नंबरदार, पवन सोनी आदि मौजूद थे।

लोकतंत्र की मजबूती को देश में शांतिपूर्वक मतदान होना सभी भारतवासियों के लिए हर्ष की बात: चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को लोकतंत्र जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी के चेयरमैन वीपी यादव, निजी स्कूल के निदेशक एडवोकेट निशांत यादव, डा. हरि प्रकाश यादव प्राचार्य राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल बोड़िया कमालपुर व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि भारत वर्ष विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लगभग 97 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं। इतने विशाल और विभिन्नताओं से भरे देश में शांतिपूर्वक मतदान होना सभी भारतवासियों के लिए हर्ष की बात है। हरियाणा में 25 जून को मतदान का दिन निश्चित हुआ है, जिसमें सभी संस्था के सदस्य परिवार सहित वोट डलवाने का कार्य करेंगे। दिव्यांग, बुजुर्ग व नेत्रहीन मतदाताओं को बूथ तक ले जाने व वापस घर छोड़ने का भी प्रयास करेंगे। सीएलजी कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुनील भार्गव, पवित्रा प्रतिष्ठा के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिरुद्ध यादव, जैन स्कूल के प्राचार्य सुरेश शर्मा, शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि आज का भारत 65 करोड़ युवाओं का भारत है। इस समय युवाओं की ओर से एक लाख से अधिक नए स्टार्टअप शुरू कर दिए हैं। पूरा विश्व हमारे देश की शक्ति को पहचान रहा है। महिला प्रधान निशा सीकरी, शिक्षाविद मधु गुप्ता व पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज ने कहा कि महिलाएं घर-घर जाकर सभी को अपना वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे। मुख्य अतिथि ने मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। 26 जनवरी की परेड में जिले का नेतृत्व करने वाली कुमारी धीरज, शिक्षा में टॉपर नेहा अग्रवाल, दीपा शर्मा, मनीष जैन, सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनायक भार्गव व शिक्षाविद अनिता भार्गव को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

रामलीला परिषद के प्रति समर्पण की मूर्ति थे बुधराम ईसरका: गौड़

- स्वर्गीय बुधराम ईसरका की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संस्था की प्रेरणा स्वर्गीय बुधराम ईसरका की श्रद्धांजलि सभा रविवार को परिषद् प्रांगण में की गई। लगभग पांच दशकों से रामलीला परिषद् के विभिन्न कार्य में सहयोग के रूप में सेवाएं देने वाले स्वर्गीय बुधराम ईसरका की श्रद्धांजलि सभा में अनेक लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। बुधराम ईसरका को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए रामलीला परिषद् के संरक्षक चेतन प्रकाश गौड़, प्रधान दिनकर बोहरा, उपप्रधान रामचंद्र जांगड़ा, सुशील बिढाट, गिरिश कानोड़िया, रतिराम टाक, सुरेंद्र बंटी ने अपने वक्तव्य में स्वर्गीय बुधराम ईसरका को समाज के प्रति समर्पण के लिए युवाओं का प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए कहा कि स्वर्गीय ईसरका समाज सेवा की एक अनूठी मिसाल थे। उनका चला जाना हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि सभा में रामलीला परिषद के संरक्षक घीसाराम सैनी, प्रमोद तिवारी, सुभाष तिवारी, राजेंद्र पोपली, भूषण गोयल, सोहन टैनी, विकास तिवाड़ी, रामलीला परिषद पूर्व प्रधान रमेश कौशिक, प्रवीण गौड, रोटरी क्लब प्रधान मुकेश मेहता, गिरधर कानोडिया, दलीप गोस्वामी, राजेश बोहरा, शेरसिंह, सुरेश पंचोली, अरविंद जांगड़ा रहे।

पक्षियों के लिए रखे पानी के सकोरे

महेंद्रगढ़। गांव बलायचा में प्रवक्ता कर्ण सिंह निंबल ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ पक्षियों के लिए दाने व पानी के सकोरे रखे। भीषण गर्मी को देखते हुए दाने व पानी की व्यवस्था की। इसके लिए उन्होंने मिट्टी के सकोरे रखे और उसमें पानी व अनाज रखने की व्यवस्था की। कर्णसिंह निबंल ने कहा कि आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में इन पक्षियों के लिए किसी के पास समय नहीं है। ये पक्षी मनुष्य के भरोसे ही है, क्योंकि ये किसी को बोलकर अपनी बात नहीं बता सकते। अतः हमारा कर्तव्य बनता है कि हमे इन पशु-पक्षियों का ध्यान रखना चाहिए। हमें अपने आसपास, सार्वजनिक स्थान, अपने बाड़े, गांव की बणी, खेत आदि में पानी व अनाज रखना चाहिए।

पौधरोपण कर शत प्रतिशत मतदान की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के नाईवाली चौक स्थित राव तुलाराम पार्क में योग ग्रुप की ओर से मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी व पर्यावरण बचाने की मुहिम के तहत रविवार को पौधरोपण अभियान चलाया गया। योग गुरु प्रकाश सैनी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में करीब 50 छायादार पौधे रोपित करने के साथ उनके देखभाल की शपथ भी ली गई। सैनी ने बताया कि इस बार योग ग्रुप की ओर से 500 पौधों को लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मानसून से पहले प्रत्येक वर्ष इस तरह का अभियान चलाया जाता है। सैनी फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त होने के बाद लगातार 13 साल से राव तुलाराम पार्क में लोगों का स्वास्थ्य दुरुस्त करने के साथ-साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ग्रुप की ओर से पौधरोपण के लिए गड्ढा खुदाई के लिए एक नई मशीन भी खरीदी गई, जिसमें सुभाष सोनी का बड़ा योगदान रहा। योग गुरु ने बताया कि पौधे हरित क्रांति देशी सामाजिक संस्था की ओर से उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी सुभाष सोनी, हंसराज खंडूजा, योग ग्रुप के सदस्य एडवोकेट अमित कुमार, दीपक गोयल, राजीव भार्गव, पारस सोनी, शुभम सोनी, मास्टर अनिल कुमार ,नमन आदि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

श्रीराम की तरह मर्यादा में रहकर करें जीवन-यापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा सुनाते महाराज व मौजूद महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

श्री रामलीला धार्मिक मैदान मोहल्ला चांदुवाडा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को श्रीकृष्ण भगवान का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों ने पंडाल को फूलों व गुब्बारों से सजाया। आचार्य राजेश बोहरा, राजेंद्र शास्त्री, पंडित गगन भारद्वाज, भूपेश शास्त्री, देवेंद्र शास्त्री व खुशाल शास्त्री आदि ने मुख्य यजमान ललित सैनी व अमित गोयल से पूजन संपन्न करवाया। कथा में सहयजमान जोगिंद्र बंसल, मनीष बंसल, जयप्रकाश अग्रवाल, विजय यादव, अशोक यादव, ललित भारद्वाज व अमित सैनी थे। कथा के दौरान भजन गायक प्रवेश रसिक ने सुंदर-सुंदर भजन गाकर भक्तों को खूब झुमाया। इस अवसर पर कथा व्यास पंडित नवीन कौशिक ने भक्तों को अनेक प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया कि पूजा व सेवा करके भक्त भगवान को भी अपने वश में कर सकता है। भक्त प्रहलाद की कथा बताते हुए व्यास ने बताया कि भक्त के जीवन में बहुत सी बाधाएं आती है, लेकिन उसे घबराना नहीं चाहिए और भगवान पर भरोसा रखना चाहिए। कथा में कौशिक ने भगवान श्रीराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें भी भगवान श्रीराम की तरह मर्यादा में रहकर अपना जीवन यापन करना चाहिए और हमें भगवान श्रीराम के जीवन से सीख कर धर्म के मार्ग पर चलते हुए अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए। कथा में विशेष रूप से कौशिक ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म उत्सव का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार भगवान का जन्म जेल में हुआ और किस प्रकार वासुदेव जी भगवान को टोकरी में रखकर नंद बाबा के घर लेकर के आए तथा बृजवासियों ने बड़े धूमधाम से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई। इस मौके पर राजाराम गर्ग, टीटू सोनी, रविशंकर भारद्वाज, ललित भारद्वाज, पालाराम भारद्वाज, डा. शिवकुमार, त्रिलोक सैनी आदि भक्तजन मौजूद थे।

खबर संक्षेप

एकादशी पर जिला जेल मंदिर में किया हवन

नारनौल। जिला जेल मंदिर में बैशाख माह शुक्ल पक्ष मोहनी एकादशी पर रविवार को 25वां जनकल्याण हवन का आयोजन किया गया। जिसमें यजमान सीमा देवी पत्नी कृष्ण सिंह रहे। हवन राजेन्द्र शास्त्री ने सम्पन्न करवाया। इस अवसर पर हवन में किशन प्रधान, संजीव शर्मा, पूर्णसिंह, मनोहर लाल, सतीश कुमार, महेश भारद्वाज, तेजश चौहान, किरण, पुनीत शर्मा, निखिल सिंह, राजेश पत्नी रमेश बामल, मधु पत्नी पूर्णसिंह, हेमन्त पत्नी अमित कुमार, रेखा पत्नी संजीव शर्मा, रेणु पत्नी घनश्याम शर्मा, बबली पत्नी जिलेसिंह, मिंटू पत्नी उदेयभान, ओमवती पत्नी ईश्वर सिंह व जेल सुपरिटेंडेंट संजय बांगड़ ने सभी जेलों की सुख शांति की कामना कर हवन में आहुति डाली।

बच्चों ने पक्षियों के लिए की पानी की व्यवस्था

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव बाछौद में रविवार को पुरानी वाटर सप्लाई के आसपास नन्हें मुन्ने बच्चों ने इस भीषण गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिला अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव विजय सिंह प्रजापति के मार्गदर्शन में बच्चों ने बड़ी लग्न और खुशी से अपने-अपने नाम से विभिन्न स्थानों पर पानी के सकोरे रखे। उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिसका भी सकोरा हमेशा पानी से भरा रहेगा, उन सभी को इनाम दिया जाएगा। इस भीषण गर्मी में लोगों को अत्यधिक गर्मी व प्यास लगती है। ठीक वैसे ही इन बेजुबान पक्षी भी इस भीषण गर्मी और तपिश में जब इन्हें प्यास लगती होगी। तब इन्हें पानी ढूंढना बड़ा मुश्किल हो जाता होगा। इसके अलावा हम सभी ने मिलकर यह निर्णय लिया है कि अब प्रतिदिन अपने घरों की छतों व आसपास पेड़ों पर मिट्टी के पात्र में पानी भरकर रखेंगे तथा हमें जीवों के प्रति दया भाव रखना चाहिए और उनकी देखभाल करना हम सब की जिम्मेवारी है। इस मौके पर हिमांशु, देव, यश, विराज, टीनू, मुस्कान, दीप्ति, समर, तन्नू, यशवी, पीयूष, साहिल, भाविका, राजबाला, नरेश देवी, रामसिंह पंच, कनक, मयंक, महक व यीशु आदि बच्चे भी शामिल थे।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

कनीना। खंड के गांव गुढ़ा स्थिति दादा छजुवीर आश्रम प्रांगण में रविवार को पांच दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर कथा से पूर्व सत्यनारायण मंदिर से दादा छाजुवीर आश्रम तक कलश यात्रा निकली गई। दादा छाजुवीर धर्म सभा गुढ़ा के कार्यवाह प्रधान राजेंद्र सिंह ने बताया कि कथावाचक राधिका किशोरी है। जिनकी ओर से प्रतिदिन दोपहर दो से सायं पांच तक कथा की जाएगी। कथा का समापन 24 मई को होगा। कथा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। रामकिशन पटवारी ने बताया कि बीते वर्ष भी श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया था।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

महेंद्रगढ़। गांव सुरहेती मोड़ियान में पुलिस ने अवैध शराब पकड़ी है। इस दौरान आरोपित पुलिस टीम को देखकर मौके से भाग गया। पुलिस ने अज्ञात आरोपित पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सतनाली थाने की पुलिस की एक टीम गश्त पड़ताल पर थी। टीम जब सुरहेती मोडियान पहुंची तो, गांव के मोड़ पर पेड़-पौधों में एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा था। शराब बेचने वाला आरोपित पुलिस की गाड़ी देखकर शराब को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर चकमा देकर खेतों में भाग गया।

रविवार के दिन नहीं होती शहर की सफाई, जगह-जगह लगे रहते हैं गंदगी के ढेर, शहरवासियों की मांग के बावजूद भी नपा नहीं कर रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

बार-बार शहरवासियों की मांग के बावजूद भी नगर पालिका द्वारा शहर में रविवार को सफाई नहीं कराई जा रही है। कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों के अलावा सफाई कर्मचारी भी रविवार को अवकाश पर रहते हैं।

जिसयके चलते शहर के हर कूड़ा प्वाइंट पर गंदगी ढेर नजर आते हैं। सफाई नहीं होने से शहर में कूड़े के ढेर लग जाते हैं। प्रतिदिन शहर से 80 से 100 क्विंटल कूड़ा निकलता है। रविवार को बाजारों की हालत यह रहती है कि दुकानदारों को मुंह पर कपड़ा लगाकर रखना पड़ता है।

महेंद्रगढ़। महिला आईटीआई के पास लगा गंदगी का ढेर। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि महेंद्रगढ़ नगर पालिका में लगभग 15 स्थाई तथा 51 अस्थायी सफाई कर्मचारी काम कर रहे हैं। इनमें से करीब 9 कर्मचारी नेताओं व अधिकारियों की कोठियों पर कार्य कर रहें हैं। इन कर्मचारियों का भुगतान भी नपा की जेब से किया जाता है, लेकिन शहर में रविवार को सफाई नहीं होती, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक रविवार को स्थाई और अस्थाई सभी सफाई कर्मचारी छुट्टी पर होते हैं। इस कारण शहर में रविवार को झाडू तक नहीं लगती। शहर कूड़े का नियमित उठान नहीं होने से शहर में सफाई व्यवस्था बदहाल है। शहर में कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। बेसहारा पशु दिनभर इनमें मुंह मारकर उसे इधर-उधर फैला रहे हैं।

यहां सबसे अधिक समस्या

शहर के विश्वकर्मा चौक, सिनेमा रोड, मौहल्ला पड़ाव, मौहल्ला जवाहरनगर, वाल्मीकि मौहल्ला, सैनी स्कूल के पास, रामविहार कॉलोनी के सामने, मौहल्ला निमड़ी नीचे, रामलीला परिषद, महिला आईटीआई पास, सीएसडी कैंटीन के सामने रविवार के दिन कूड़े के ढेर लग जाते हैं। इनमें बेसहारा पशु दिनभर मुंह मारकर सड़कों पर फैला देते हैं। ऐसे में जब शहरवासी सोमवार को अपने घरों से निकलते हैं तो गलियों से लेकर मुख्य बाजारों में कूड़े के ढेर नजर आते हैं।

रविवार को करेंगे प्रबंध

जल्द ही कर्मचारियों को आदेश देकर रविवार के दिन भी सफाई का कार्य शुरू कराया जाएगा। इसके लिए स्थाई व अस्थाई कर्मचारियों को आदेश जारी कर रविवार को भी सफाई कराना शुरू किया जाएगा, ताकि शहर में गंदगी के ढेर न लगे।

रविवार का कचरा उठता है सोमवार को

शहर के मुख्य चौक-चौराहों से लेकर गलियों तक जगह-जगह कूड़े के ढेर लग जाते हैं। सीएसडी कैंटीन के सामने लगे कूड़े के ढेर से लोग परेशान हैं। रविवार को शहर में सफाई नहीं होने के कारण सोमवार को सुबह कर्मचारी दिनभर मशक्कत करने के बाद भी पूरे कचरे का नहीं उठा पाते हैं। रविवार के दिन शहर में सफाई नहीं होती है। अधिक कूड़ा एकत्रित होने के कारण उससे उठने वाली बदबू से उनका घर या दुकान में बैठना मुश्किल हो जाता है।

अभियान के लिए 25 टीमों का गठन, 150 पुलिसकर्मी हुए थे शामिल

पुलिस ने चलाया जिलेभर में सर्च अभियान विभिन्न मामलों में 23 आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस की ओर से जिलेभर में अनैतिक गतिविधियों के संबंध में विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक अवैध हथियार, 34 बोतल देसी व अंग्रेजी शराब, चार लीटर अवैध शराब, एनडीपीएस एक्ट के तहत 155 ग्राम गांजा बरामद कर इस अभियान में कुल 23 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की ओर से तीन पीओ को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं पुलिस ने अभियान के दौरान लेन ड्राइविंग के नियमों की पालना न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 201 वाहनों के चालान किए। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस महानिदेशक हरियाणा की ओर से समस्त प्रदेश में अपराध नियंत्रण हेतु चलाए गए स्पेशल अभियान के तहत जिले में पुलिस ने एसपी अर्श वर्मा के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में अभियान चलाकर कुल 23 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि स्पेशल अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी अपराध जांच शाखा, थाना व चौकी स्तर पर टीमों का गठन किया गया। जिसमें पुलिस जिला के अधिकारियों व कर्मचारियों ने विभिन्न जगहों पर रेड कर अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग-अलग मामलों में आरोपितों को पकड़ने में सफलता हासिल की। प्रवक्ता ने बताया कि इस सर्च अभियान के दौरान पुलिस की 25 टीमों का गठन किया गया। जिनमें करीब 150 पुलिसकर्मी शामिल हुए। सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध हथियार, अवैध शराब का कारोबार, नशीले पदार्थ बेचने वालों पर मुख्यतः कार्रवाई की गई और अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान की गई। सभी मामलों में आरोपितों के खिलाफ आबकारी, एनडीपीएस अधिनियम, आर्म्स एक्ट व आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके कार्रवाई अमल में लाई गई। सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने चोरी की बाइक भी बरामद की और अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज करवाया। प्रवक्ता ने बताया कि विशेष अभियान से पहले पुलिस अधीक्षक ने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रबंधक थाना, चौकी प्रभारी व अपराध यूनिटों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने थाना क्षेत्र में गहनता से जांच करें। वहां कोई आपराधिक प्रवृति का व्यक्ति मिले तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई करें।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में अवैध हथियार रखने का आरोपित। फोटो : हरिभूमि

- सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध हथियार, अवैध शराब का कारोबार, नशीले पदार्थ बेचने वालों पर मुख्यत: कार्रवाई की गई

देसी कट्टा भी बरामद

सीआईए ने निजामपुर क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित भीमसिंह उर्फ भोमा निवासी साधा की ढाणी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी कट्टा बरामद किया है। जिसके खिलाफ थाना निजामपुर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपित को रविवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए की टीम गश्त के दौरान बस अड्डा नयागांव पर मौजूद थी, उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि भीम सिंह उर्फ भोमा वासी साधा की ढाणी के पास अवैध हथियार है, जो गांव नांगल दर्गु बस अड्डा से थोड़ी आगे निजामपुर रोड पहलवान मार्केट के पास बनी हुई दुकानों के पास खड़ा है और किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। टीम ने रेड की गई, जहां पर एक व्यक्ति पुलिस गाड़ी को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। जिसे काबूकर नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम भीमसिंह उर्फ भोमा बताया। जिसकी तलाशी लेने पर अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ।

नारनौल। मतदान करने की शपथ लेते हुए संस्थान के सदस्य व विद्यार्थी।

श्री गणपति शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थान मतदाता जागरुकता

- प्रजातंत्र की सफलता पूरी तरह मतदान पर आधारित

नारनौल। चुनाव लोकतंत्र का अहम हिस्सा है, लोकतंत्र में मतदान का अहम महत्व है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए मतदान ही एकमात्र जरिया है। उक्त विचार श्री गणपति शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थान फैजाबाद के चेयरमेन सुनील यादव ने उन्नत भारत अभियान के तहत संस्थान प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। प्रजातंत्र की सफलता पूरी तरह मतदान पर आधारित है। राज्यों की विधानसभाएं हो या संसद। एमएलए व एमपी का चुनाव आम नागरिक ही करता है। आमजन की ओर से चुने हुए सरकार के ये नुमाइंदे ही भविष्य में विकास की नीतियां बनाते हैं। इसलिए सोच-समझकर किया गया मतदान ही देश के विकास को नई दिशा व दशा प्रदान करता है। इसलिए आमजन का नैतिक दायित्व बनता है कि वे मतदान के प्रति गंभीर रहे। उन्होंने कहा कि मतदान वाले दिन वे स्वयं ही नहीं अपितु अपने परिजनों एवं मित्रगण से भी मतदान करवाएं।

गौरतलब है कि कि उन्नत भारत अभियान शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से आयोजित मतदाता जन जागरूकता अभियान के तहत गत एक पखवाड़े से कार्यशालाएं, विचार गोष्ठी व नुक्कड़ सभाएं कर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में अभियान की समन्वयक डा. सुमन यादव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान करवाना है। इस अवसर सहायक प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार व कमल यादव ने भी मतदान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त कर युवाओं को जागरूक किया। अभियान के तहत संस्थान में अध्ययनरत युवा सेल्फी प्वाइंट में खड़ा होकर सेल्फी लेने के प्रति उत्साहित दिखाई दिए।

प्रदेश की सभी 10 सीटें भाजपा जीतेगी: धर्मबीर सिंह

- प्रदेश की जनता को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भिवानी.महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी धर्मबीर सिंह प्रचार अभियान चलाकर रोज कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को भाजपा की नीतियों से अवगत करवाते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह ने रविवार को भिवानी विधानसभा क्षेत्र के गांव रूपगढ़, धिराणा, प्रहलादगढ़ में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उनके साथ भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ भी मौजूद रहे। गांवों में पहुंचने भाजपा प्रत्याशी धर्मबीर सिंह व विधायक घनश्याम सर्राफ का भव्य स्वागत किया। नंदगांव में

कार्यक्रम के दौरान धर्मबीर सिंह स्वयं बाइक चलाकर जनसभा स्थल तक पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद प्रतिमा माल्यार्पण कर धर्मबीर सिंह ने की। धर्मबीर सिंह ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने विजन के तहत देश व प्रदेश का विकास किया है। देश में जहां वंदे भारत जैसी ट्रेने शुरू की गई, वही हरियाणा के गांवों को इंटरनेट से जोड़ा, जिससे गांवों के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री मोदी के नाम की आंधी चल पड़ी है और प्रदेश की सभी 10 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज करेगी। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि प्रदेश की जनता को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है और प्रदेश में प्रधानमंत्री की रैलियों से कांग्रेस प्रत्याशियों को पसीना आ गया है और वे हिम्मत हार गए हैं प्रदेश की जनता को पता है कि मोदी ने भारत को विश्व में अलग पहचान दिलाई है, जिससे भारत का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता मन बना चुकी है कि तीसरी बार मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाकर लाल किले से मोदी ही झंडा फहराएंगे। इस अवसर पर सरपंच नंदगांव व भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष महेंद्र यादव, रामकिशन हालुवासिया, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल स्वामी, जिला मीडिया प्रभार सोनू सैनी, सरपंच संदीप, राजकुमार सैनी, बीडीसी दयाकिशन, विजय यादव, सूबेदार करतार सिंह, सूबेदार बलबीर सिंह, पूर्व सरपंच बरसाना वेदप्रकाश, झिरवाई सरपंच प्रतिनिधि राजेश, रिवासा सरपंच, सरपंच अमित सहित सभी प्रदेश पदाधिकारी,जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोचारे् के अध्यक्ष, संयोजक, शक्ति केंद्र प्रमुख, प्रभारी, बूथ प्रमुख, पालक, त्रिदेव सहित सरपंच, बीडीसी सदस्य व भाजपा अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ लगाने के बाद उसका लालन-पालन जरूरी, तापमान को रखते हैं स्थिर

- नेहरू नगर निवासी अजय ने सत्तर से अधिक पेड़ लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पर्यावरण में तापमान को स्थिर रखने के लिए बरसात के मौसम में पेड़ लगाना जरूरी है। उतना ही जरूरी पेड़ का मौसम के अनुसार उसकी देखभाल करना है। पेड़ का मानव जीवन में बहुत महत्व है। नेहरू नगर निवासी अजय कुमार ने अपने जीवन में सत्तर से अधिक पेड़ लगाए है और समय-समय पर उनकी देखभाल करते है। अजय कुमार ने बताया कि एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है।

नारनौल। गर्मी के समय में पेड़ों में पानी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

यदि हम इसके आसपास कचरा जलाते है, तो इसकी ऑक्सीजन उत्सर्जित करने की क्षमता आधी हो जाती है। इस तरह हम तीन लोगों से उसकी जिंदगी छीन लेते है। उन्होंने बताया कि आज पेड़ों की कटाई पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। इसलिए पौधे लगाने के साथ-साथ हमें पेड़ों को बचाने की जरूरत है। इसके लिए हमें जागरूक होने की जरूरत है। अपने आसपास पेड़ों को न कटने दें, उसका विरोध करें। उसके आसपास आग न लगाएं। इसके अलावा किसी भी स्थान पर 50 मीटर की दूरी पर एक पेड़ जरूर होना चाहिए। इससे वहां के रहवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध हवा मिलेगी और लोग स्वस्थ रहेंगे।

पेड़ लगाने से पांच फायदें होते है। पहला यह ऑक्सीजन के जरिए मानव जीवन को बचाती है, दूसरे यह मिट्टी के क्षरण यानी उसे धूल बनने से रोकता है, जमीन से उसे बांध रखता है, भू जल स्तर को बढ़ाने में सबसे ज्यादा मदद करता है। इसके अलावा यह वायु मंडल के तापक्रम को कम करता है।

माता-पिता, दादा-दादी व सगे संबंधियों को वोट डालने के लिए करें प्रेरित

- जैसे क्रिकेट मैच में एक-एक रन का महत्व, वैसे ही लोकतंत्र में एक-एक वोट महत्वपूर्ण : उपायुक्त मोनिका गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा है कि जिस प्रकार क्रिकेट मैच में एक-एक रन का महत्व होता है, उसी प्रकार लोकतंत्र में एक-एक वोट का बहुत बड़ा महत्व होता है। ऐसे में आगामी 25 मई को लोकसभा आम चुनाव के लिए जिला के नागरिक पूरे उत्साह के साथ अपने मत का प्रयोग करें। उपायुक्त ने कहा कि इस पर्व को और भी अधिक उत्साह जनक

नारनौल। डीसी मोनिका गुप्ता।

बनाने के लिए हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से राज्य के विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार जीतने का भी एक सुनहरा अवसर उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी अपने माता-पिता, दादा-दादी तथा सगे संबंधियों को वोट डालने के लिए प्रेरित करेंगे और वोट डालने के बाद नीली स्याही लगी उंगली के साथ सेल्फी अपलोड करेंगे, उन्हें पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर प्रथम स्थान पाने वाले विजेता को 10 हजार, द्वितीय स्थान पाने वाले को पांच हजार तथा तृतीय स्थान पाने वाले विजेता को 2500 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा जिला स्तर पर सबसे अधिक सेल्फी अपलोड करवाने वाले स्कूल को 25 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया है कि वे सेल्फी लेकर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करें तथा यह पुरस्कार पाएं और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपना सहयोग दें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 पर भी फोन करके जानकारी ली जा सकती है।

बदल चुका है माहौल, गठबंधन की सरकार बनेगी: पायलट

- राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने चुनावी जनसभाओं को किया संबोधित
- भाजपा ने चंद लोगों को पहुंचाया फायदा, कांग्रेस प्रत्येक गरीब को मनाएंगी लखपति : सचिन पायलट
- भाजपा सरकार से प्रत्यके वर्ग परेशान, कांग्रेस की सरकार बनने दी जाएंगी 30 लाख नौकरियां : राव दानसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने नांगल चौधरी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह पूरे देश का दौरा करके आएं हैं। देश में माहौल पूरी तरह से बदल चुका हैं। चार चरणों के चुनाव के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सबसे आगे हैं। इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगी। उन्होंने कहा कि इस समय देश के अन्नदाता के साथ अन्याय हो रहा हैं।

भाजपा की सरकार बनने से पहले से किसानों को उनकी दुगनी आय करने का वादा किया गया था। लेकिन उल्टा खाद बीज के रेट गए। भाजपा सरकार ने किसानों के हित में कार्य करने की बजाय उन पर लाठियां बरसाई। भाजपा ने चंद लोगों को हवाई अड्डे, रेलवे लाइन, गोदाम, बिजली लाइन ठेके पर दे दी हैं। वहीं चुनिंदा लोगों का 16 करोड़ का कर्ज माफ कर दिया हैं। कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रत्येक गरीब परिवार लखपति बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 10 साल महंगाई आसमान को छू रहीं हैं। गैस सिलेंडर 11 सौ रुपये, पेट्रोल 100 रुपये पार पहुंच गया हैं। कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रत्येक गरीब परिवार को साल में एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएंगी। राव दानसिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता का कांग्रेस की सरकार बनाने का मूड है और भाजपा की राजनीतिक जमीन खिसक चुकी है।

खाली पद भरे जाएंगे

बेरोजगारी का संकट कम करने के लिए कांग्रेस सरकार बनने पर केंद्र में खाली पड़े 30 लाख सरकारी पद भर्ती भरोसा के तहत समयबद्ध तरीके से कैलेंडर के अनुसार भरेंगे तो हरियाणा में 2 लाख से ज्यादा युवाओं को खाली पड़े सरकारी पदों पर समयबद्ध पक्की भर्ती करेंगे। इसके अलावा पढ़े-लिखे युवाओं की पहली नौकरी पक्की होगी, हर शिक्षित युवा को 1 लाख रुपए की अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे। किसानों को एमएसपी की गारंटी और कर्ज से मुक्ति दी जाएगी।